2 वर्ण-विचार
(Phonology)

भाषा की सबसे छोटी इकाई 'वर्ण' कहलाती है। जैसे– बंदर, संतरा, गुलाब, कमल आदि। ये सभी शब्द ध्वनियों से मिलकर बने हैं।

क् + अ + म् + अ + ल् + अ

ब् + अ + न् + अ + द् + अ + र् + अ

इन ध्वनियों को इससे और छोटे टुकड़ों में नहीं बाँटा जा सकता। अतः भाषा की सबसे छोटी इकाई 'ध्वनि' होती है और इसके लिखित रूप को 'वर्ण' कहते हैं। जैसे– क्, स्, ग्, म्, प्।

अर्थात् हम कह सकते हैं कि जिन ध्वनियों को और छोटे टुकड़ों में नहीं बाँटा जा सकता, उन्हें वर्ण या अक्षर कहते हैं।

वर्णों के समूह को वर्णमाला कहते हैं। हिंदी की वर्णमाला स्वर एवं व्यंजनों से मिलकर बनी है। स्वरों की संख्या ग्यारह है तथा व्यंजनों की संख्या तैंतीस होती है।

हिंदी वर्णमाला

स्वर– अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

अनुस्वार– अं **विसर्ग–** अः

व्यंजन	क	ख	ग	घ	ङ	(कवर्ग)
	च	छ	ज	झ	ञ	(चवर्ग)
	ट	ठ	ड	ढ	ण	(टवर्ग)
	त	थ	द	ध	न	(तवर्ग)
	प	फ	ब	भ	म	(पवर्ग)

(ड़, ढ़) **मान्य व्यंजन**

य	र	ल	व	अंतःस्थ व्यंजन
श	ष	स	ह	ऊष्म व्यंजन
क्ष	त्र	ज्ञ	श्र	संयुक्त व्यंजन

अजगर

मछली

Scanned with CamScanner

अं, अः ये अयोगवाह स्वर हैं।

'अं' को हम अनुस्वार कहते हैं। इसके उदाहरण देखिए— जैसे— अंग, शंख आदि।

'अः' को हम विसर्ग कहकर पुकारते हैं। यह शब्दों के अंत में आता है। जैसे— अतः, पुनः, प्रातः आदि।

(ँ) को हम अनुनासिक कहते हैं। इसका उच्चारण नाक और गले दोनों से होता है। जैसे—गाँव, दाँत, मौंह, सोंठ, आँख आदि।

नोट : जब स्वर व्यंजन के साथ मिलता है, तो वह स्वर का छोटा रूप धारण कर लेता है, जिसे हम मात्रा कहते हैं। जैसे— आ–ा, इ–ि, ऊ–ू आदि।

'अ' वर्ण की कोई मात्रा नहीं होती है। यह सभी व्यंजनों में विद्यमान होता है। 'अ' रहित व्यंजन इस प्रकार लिखे जाते हैं— क्, ख्, ग्, घ् आदि। 'अ' के साथ लिखे व्यंजन इस प्रकार होते हैं— क, ख, ग, घ आदि।

स्वर के तीन भेद होते हैं—

स्वर

ह्रस्व स्वर

इनके उच्चारण में कम समय लगता है। ये चार हैं— अ, इ, उ, ऋ।

दीर्घ स्वर

इनके उच्चारण में ह्रस्व स्वरों के उच्चारण से दुगना समय लगता है। ये सात हैं— आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।

प्लुत स्वर

इनके उच्चारण में ह्रस्व और दीर्घ स्वरों के उच्चारण से तिगुना समय लगता है। जैसे— ओऽम्। प्लुत स्वर एक ही है।

मात्राएँ

स्वर	मात्रा	वर्ण (मात्रा के साथ)	मात्रा का प्रयोग	
अ	-	म् + अ = म	मटर	
आ	ा	म् + आ = मा	माला	
इ	ि	म् + इ = मि	मिठाई	
ई	ी	म् + ई = मी	मीनार	
उ	ु	म् + उ = मु	मुरली	
ऊ	ू	म् + ऊ = मू	मूरत	
ऋ	ृ	म् + ऋ = मृ	मृग	

Scanned with CamScanner